

बोधराज सीकरी की हनुमान चालीसा पाठ की मुहिम का आंकड़ा हुआ 277000 पार

पंजाब केसरी

— www.PunjabKesari.com —

बोधराज सीकरी की हनुमान चालीसा पाठ की मुहिम का आंकड़ा हुआ 277000 पार



गुरुग्राम, एमके अरोड़ा (पंजाब केसरी) : स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर मंगलवार को हनुमान चालीसा पाठ का आयोजन शीतला कालोनी क्षेत्र में किया गया, जिसमें गजेंद्र गोसाई ने संगीतमय शैली में हनुमान चालीसा का पाठ किया। क्षेत्र में श्रीमदभागवत कथा का आयोजन भी चल रहा था, जिसमें आचार्य ओमप्रकाश शास्त्री कथा का वृत्तांत सुना रहे थे। पंजाबी बिरादरी महासंगठन के अध्यक्ष व सीएसआर ट्रस्ट के उपाध्यक्ष बोधराज सीकरी ने बताया कि आयोजन में शामिल करीब 600 लोगों ने सामूहिक रूप से हनुमान चालीसा का पाठ कर अपनी आस्था का परिचय दिया। करीब 6 माह पूर्व शुरु की गई मुहिम के तहत गत सप्ताह तक 2 लाख 65 हजार से अधिक पाठ हो चुके थे। मंगलवार को 600 साधकों द्वारा 21-21 बार पाठ किया गया, जिसका

कुल योग 12600 रहा। अब तक 2 लाख 77 हजार से अधिक पाठ हो चुके हैं। इसी मुहिम में अब तक 17350 साधक अपना योगदान दे चुके हैं। बोधराज सीकरी ने कहा कि पूरे विश्व के अंदर हनुमान जी से अधिक राष्ट्र भक्त कौन हो सकता है। उन्होंने कहा कि हनुमान जी की भांति प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी अपने आपको राष्ट्र के प्रति समर्पित कर दिया है। जो अपनी कर्मठ और ईमानदार कार्यशैली से देश को प्रगति के पथ पर आगे बढ़ा रहे हैं। सीकरी ने राष्ट्रीय ध्वज के बारे में विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने रंगों, अशोक चक्र आदि का महत्व समझाया। लोगों ने बोधराज सीकरी के वक्तव्य को बड़े ध्यान से सुना। उन्होंने बताया कि हर मंगलवार की तरह श्री जामपुर शिव मंदिर ईस्ट ऑफ कैलाश में 60 साधकों ने शाम की बैठक में 5-5 बार हनुमान चालीसा का पाठ किया।

राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली, हरियाणा (पानवत) एवं उत्तर-प्रदेश (कुर्नाल/मोहरा एवं मुगलवाड़ा) से एक साथ प्रकाशित

देव केसरी

बोधराज सीकरी की हनुमान चालीसा पाठ की मुहिम का आंकड़ा हुआ 277000 पार

देव केसरी / अरविन्द चन्दन

गुरुग्राम। कल दिनांक 15 अगस्त स्वतंत्रता दिवस के पावन दिन मंगलवार होने के कारण हनुमान चालीसा पाठ का संगीतमय तरीके श्री गजेंद्र गोसाई की मधुर वाणी के साथ शीतला कॉलोनी, गुरुग्राम में भव्य आयोजन हुआ। जहाँ पहले से ही निरंतर 7 दिनों से आचार्य ओमप्रकाश शास्त्री वृंदावन वाले के माध्यम से भागवत सप्ताह चल रहा था। बोधराज सीकरी के कथनानुसार निरंतर 600 लोगों का एक स्थान पर छः घंटे बैठना इतना सराहनीय कदम है कि यह दर्शाता है कि लोगों के मन में ईश्वर के प्रति कितना भाव उत्पन्न



हो रहा है। लगभग सवा 6 बजे श्री गजेंद्र गोसाई ने मंगलाचरण के उपरान्त हनुमान चालीसा पाठ का शुभारंभ किया। जिसका विश्राम 8 बजे हुआ। 8 बजे से 8:30 बजे के बीच में श्री बोधराज सीकरी समाजसेवी जिन्होंने लगभग 6 माह पूर्व हनुमान चालीसा के पाठ की मुहिम छेड़ी थी और इन 6 माह में 2 लाख 65 हजार से अधिक

पाठ पिछले सप्ताह तक हो चुके थे। और 600 साधकों द्वारा मंगलवार के दिन 21-21 बार पाठ करने के उपरान्त यह संख्या 12600 और बढ़ गई। यानी अब तक पाठ की संख्या 2 लाख 77 हजार का आंकड़ा पार कर गयी है। इसी प्रकार पहले लगभग 16750 साधक इस महान यज्ञ के अंदर सम्मिलित हो चुके थे और इन

600 श्रद्धालुओं की गिनती को जोड़ने के उपरान्त ये संख्या 17350 हो गई है। गजेंद्र गोसाई ने अपने निष्कर्ष में बोधराज सीकरी से प्रार्थना की कि आप हर मंगलवार को हनुमान चालीसा या रामचरितमानस के कुछ अंश लेकर उस पर व्याख्या करते हो लेकिन आज तो स्वतंत्रता दिवस है इसलिए मेरी सीकरी जी प्रार्थना है कि कृपया यहाँ बैठे युवा को पुनः स्वतंत्रता दिवस के बारे में राष्ट्र के बारे में ज्ञान दें और मार्गदर्शन दें।

बोधराज सीकरी ने अपने वक्तव्य में प्रारम्भ में ही कह दिया कि पूरे विश्व के अंदर हनुमान जी से अधिक राष्ट्र भक्त कौन हो सकता है। उन्होंने हनुमान जी की

तुलना देश के यशस्वी प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र दामोदर दास मोदी के साथ कर दी कि उन्होंने भी अपना जीवन राष्ट्र को समर्पित कर रखा है और हनुमान जी ने अपने इष्ट देव भगवान राम को और उनकी अयोध्या नगरी को कर रखा है। वो भी चौकीदारी करते थे और नरेंद्र भाई मोदी भी अपने आप को चौकीदार बताते हैं। हनुमान चालीसा में स्पष्ट लिखा है कि

**राम दुआरे तुम रखवारे
होत न आज्ञा बिनु पैसारे**

जैसे हनुमान जी की आज्ञा के बिना कोई राम दरवार में नहीं जा सकता था। इस प्रकार किसी देश की हिम्मत नहीं कि नरेंद्र भाई मोदी के होते हुए हमारे देश की ओर देख भी पाए। अपने संबोधन में

बोधराज सीकरी ने युवा पीढ़ी को संविधान के बारे में, संविधान के अंदर समाहित हमारे जो अधिकार हैं, जो कर्तव्य हैं, उनकी विस्तारपूर्वक विवेचना की और युवा पीढ़ी को आगाह किया कि यदि आप अपने अधिकारों का संविधान के अनुसार आनंद उठाना चाहते हो तो पहले आपको उसमें समाहित कर्तव्यों की पालना भी सीखनी होगी। तिरंगा के अंदर जिस प्रकार भगवा रंग शक्ति का प्रतीक है।

सफेद रंग शांति का प्रतीक, हरा रंग हरित क्रांति का प्रतीक और अशोक चक्र धर्म का प्रतीक और अशोक चक्र के अंदर 24 तिलियाँ कर्म परायणता का प्रतीक हैं।

गुड़गांव मेल

नये भारत का अखबार



हरिद्वार के सभी तिलों, चण्डीगढ़ और दिल्ली में प्रसारित

© 1997, Northam City, 100% Copyright & Reserved by the author

हनुमान जी राष्ट्र भक्ति की अप्रतिम मिसाल: बोधराज सीकरी

च्यूर/गुड़गांव मेल

गुड़गांव, 16 अगस्त। स्वतंत्रता दिवस के पावन दिन मंगलवार होने के कारण हनुमान चालीसा पाठ का गीतमय तरीके श्री गजेंद्र गोसाई की धुर वाणी के साथ शीतला कॉलोनी, स्प्राम में भव्य आयोजन हुआ।

हैं। पहले से ही निरंतर 7 दिनों से आचार्य ओमप्रकाश शास्त्री वृंदावन गले के माध्यम से भागवत सप्ताह चला रहा था।

गुरुग्राम शहर में हनुमान चालीसा पाठ अभियान का संचालन कर रहे बोधराज सीकरी के कथनानुसार निरंतर 600 लोगों का एक स्थान पर एक बैठना इतना सराहनीय कदम कि यह दर्शाता है कि लोगों के मन ईश्वर के प्रति कितना भाव उत्पन्न रहा है। लगभग सवा 6 बजे श्री गजेंद्र गोसाई ने मंगलाचरण के

उपरांत हनुमान चालीसा पाठ का आरंभ किया। जिसका विश्राम 8 बजे हुआ। 8 बजे से 8:30 बजे के बीच में श्री बोधराज सीकरी ने

माजसेवी जिन्होंने लगभग 6 माह पूर्व हनुमान चालीसा के पाठ की

मुहिम छेड़ी थी और इन 6 माह में 2 लाख 65 हजार से अधिक पाठ पिछले सप्ताह तक हो चुके थे। और 600 साधकों द्वारा मंगलवार के दिन 21-21 बार पाठ करने के उपरांत यह संख्या 12600 और बढ़ गई। यानी अब तक पाठ की संख्या 2 लाख 77 हजार का आंकड़ा पार कर गयी है। इसी प्रकार पहले लगभग 16750 साधक इस महान यज्ञ के अंदर सम्मिलित हो चुके थे और इन 600 श्रद्धालुओं की गिनती को जोड़ने के उपरांत ये संख्या 17350 हो गई है। गजेंद्र गोसाई ने अपने निष्कर्ष में बोधराज सीकरी से प्रार्थना की कि आप हर मंगलवार को हनुमान चालीसा या रामचरितमानस के कुछ अंश लेकर उस पर व्याख्या करते हो लेकिन आज तो स्वतंत्रता दिवस है इसलिए मेरी सीकरी जी प्रार्थना है कि कृपया यहाँ बैठे युवा को पुनः स्वतंत्रता दिवस के बारे में राष्ट्र के बारे में ज्ञान दें और मार्गदर्शन दें।

बोधराज सीकरी ने अपने वक्तव्य में प्रारम्भ में ही कह दिया कि पूरे विश्व के अंदर हनुमान जी से अधिक



राष्ट्र भक्त कौन हो सकता है। उन्होंने हनुमान जी की तुलना देश के यशस्वी प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र दामोदर दास मोदी के साथ कर दी कि उन्होंने भी अपना जीवन राष्ट्र को समर्पित कर रखा है और हनुमान जी ने अपने इष्ट

देव भगवान राम को और उनकी अयोध्या नगरी को कर रखा है। वो भी चौकीदारी करते थे और नरेंद्र भाई मोदी भी अपने आप को चौकीदार बताते हैं। हनुमान चालीसा में स्पष्ट लिखा है कि

राम दुआरे तुम रखवारे
होत न आज्ञा विनु पैसारे
जैसे हनुमान जी को आज्ञा के बिना कोई राम दरवार में नहीं जा सकता था। इस प्रकार किसी देश की हिम्मत नहीं कि नरेंद्र भाई मोदी के

होते हुए हमारे देश की ओर देख भी पाए। अपने संबोधन में बोधराज सीकरी ने युवा पीढ़ी को संविधान के बारे में, संविधान के अंदर समाहित हमारे जो अधिकार हैं, जो कर्तव्य हैं, उनकी विस्तारपूर्वक विवेचना की और युवा पीढ़ी को आगाह किया कि यदि आप अपने अधिकारों का संविधान के अनुसार आनंद उठाना चाहते हो तो पहले आपको उसमें समाहित कर्तव्यों की पालना भी सीखनी होगी। विरंगा के अंदर जिस प्रकार भगवा रंग शक्ति का प्रतीक है। सफेद रंग शांति का प्रतीक, हरा रंग हरित क्रांति का प्रतीक और अशोक चक्र धर्म का प्रतीक और अशोक चक्र के अंदर 24 तिलिछाई कर्म परायणता का प्रतीक है। इस प्रकार हमें अपने जीवन के अंदर परिवर्तन लाना होगा और राष्ट्र के प्रति कर्तव्यों में खासकर संविधान के प्रति, राष्ट्रगान के प्रति, अपने कर्तव्यों के प्रति, पर्यावरण के प्रति, महिला सशक्तिकरण के प्रति, इन बातों का विशेष ध्यान रखना होगा। अंत में बोधराज सीकरी ने वहां पर इतने

भव्य आयोजन, इतने भीड़ के दौरान अनुशासन दिखाते हुए वहां के भक्तों ने अपने जो भाव दिखाए उनकी भूरी-भूरी प्रशंसा की और बोधराज सीकरी ने कहा कि मेरा मन गद्गद हो गया है। कि मैंने इतनी भीड़ में पाया कि 50 प्रतिशत से अधिक लोग श्रद्धालु वहां पर युवा थे और अनुशासन से न केवल उन्होंने पाठ किया। बल्कि धैर्य होकर श्री ओमप्रकाश शास्त्री जी के भागवत कथा के अतिरिक्त बोधराज सीकरी के वक्तव्य को भी ध्यान से सुना क्योंकि इस आयोजन में बहुत से लोगों का योगदान था लेकिन इसमें विशेष भूमिका पंडित भीमदत्त जो श्याम जी मंदिर न्यू कालोनी के पुरोहित हैं और इसी मंदिर के प्रधान श्री बोधराज सीकरी हैं उनकी विशेष भूमिका रही जिन्होंने कथा के उपरांत और हनुमान चालीसा के उपरांत 2000 से अधिक लोगों के लिए भंडारे की व्यवस्था की थी। देखने के लायक दृश्य था किस प्रकार श्रद्धालु गण पंक्तिबद्ध होकर प्रसाद भी ग्रहण कर रहे हैं और अपनी श्रद्धा भी ईश्वर

के प्रति श्रद्धा भी प्रकट कर रहे इस प्रकार युवा यदि परिवर्तित गया तो वो दिन दूर नहीं जब हर राष्ट्र विश्व गुरु होगा। इसके अतिरिक्त हर मंगलवार को तरह श्री जामपुर शिव मंदिर ऑफ कैलाश में 60 साधकों ने भी को बैठक में 5-5 बार हनुमान चालीसा का पाठ किया। कुल संख्या 300 हुई जिसे उपरोक्त संख्या जोड़ा जाए तो ये आंकड़ा 2 लाख 77 हजार 900 हो गया। कुल लोगों अब तक की मुहिम में भागीदार 17410 हो गई। इस अवसर पर डॉ अलका शर्मा गजेन्द्र गोसाई, रमेश काश्यपोलसना बजाव, रचना बजा संतोष पाहुजा, पुनम गोसाई, पुनम नासा, ओम प्रकाश गाथा, द्वारका मक्कड, सीमा शर्मा, शानो पाहुजा, रणधीर टंडन व यजमान की सुची पंडित भीम दत्त, राजेंद्र, प्रदीप, सिंह, जसवंत, भीम सिंह, मुकुंद धनीराम गुप्ता, बी 2 गली, शीतला माता कॉलोनी के सभी निवास उपस्थित रहे।

सबसे तेज... सबसे आगे

हरियाणा की आवाज

भिवानी, चंडीगढ़, हिसार से एक साथ प्रकाशित

राष्ट्रवादी हिन्दी दैनिक

Postal No. : P/BWN/47/2023-2025

E-mail : haryanakiaawaz@gmail.com

www.haryanakiaawaz.in

8:07 AM

वर्ष : 15 अंक : 63

भिवानी गुरुवार 17 अगस्त 2023

मूल्य : 3.00 रुपये

कुल पृष्ठ : 8

हनुमान चालीसा पाठ की मुहिम का आंकड़ा हुआ 277000 पार

हनुमान जी राष्ट्र भक्ति की अप्रतिम मिसाल : बोधराज सीकरी

गुरुग्राम। हनुमान चालीसा पाठ का संगीतमय तरीके गजेन्द्र गोसाई की मधुर वाणी के साथ शीतला कॉलोनी में भव्य आयोजन हुआ। वहां पहले से ही निरंतर 7 दिनों से आचार्य ओमप्रकाश शास्त्री वृंदावन वाले के माध्यम से भागवत सप्ताह चल रहा था। समाजसेवी बोधराज सीकरी के कथनानुसार निरंतर 600 लोगों का एक स्थान पर छह घंटे बैठना सराहनीय कदम है। ह दर्शाता है कि लोगों के मन में ईश्वर के प्रति कितना भाव उत्पन्न हो रहा है। बोधराज सीकरी ने बताया कि लगभग सवा 6 बजे गजेन्द्र गोसाई ने मंगलाचरण के उपरांत हनुमान चालीसा पाठ का शुभारंभ किया। जिसका विश्राम 8 बजे हुआ। बोधराज सीकरी ने लगभग 6 माह पूर्व हनुमान चालीसा के पाठ की मुहिम छेड़ी थी। इन 6 माह में 2 लाख 65 हजार से अधिक पाठ पिछले सप्ताह तक हो चुके थे। और 600 साधकों द्वारा मंगलवार के दिन



21-21 बार पाठ करने के उपरांत यह संख्या 12600 और बढ़ गई। यानी अब तक पाठ की संख्या 2 लाख 77 हजार का आंकड़ा पार कर गयी है। इसी प्रकार पहले लगभग 16750 साधक इस महान यज्ञ के अंदर सम्मिलित हो चुके थे और इन 600 श्रद्धालुओं की गिनती को जोड़ने के उपरांत ये संख्या 17350 हो गई है। इस अवसर पर डॉ. अलका शर्मा,

रमेश कामरा, ज्योत्सना बजाज, रचना बजाज, संतोष पाहुजा, पूनम गोसाई, पुष्पा नासा, ओम प्रकाश गाबा, द्वारका नाथ मक्कड़, सीमा शर्मा, शानो पाहुजा, रणधीर टंडन व यजमान की सूची में पंडित भीम दत्त, राजिंदर, प्रदीप, धूप सिंह, जसवंत, भीम सिंह, मुकेश, धनीराम गुप्ता, बी-2 गली, शीतला माता कॉलोनी के सभी निवासी उपस्थित रहे।

बोधराज सीकरी की हनुमान चालीसा पाठ की मुहिम का आंकड़ा हुआ 277000 पार

हनुमान जी राष्ट्र भक्ति की अप्रतिम मिसाल : बोधराज सीकरी युवा पीढ़ी अपने कर्तव्यों के प्रति हो सजग : बोधराज सीकरी

ओपन सर्च/ विशेष संवाददाता सतबीर भारद्वाज

गुरुग्राम। कल दिनांक 15 अगस्त स्वतंत्रता दिवस के पावन दिन मंगलवार होने के कारण हनुमान चालीसा पाठ का संगीतमय तरीके श्री गजेंद्र गोसाई की मधुर वाणी के साथ शीतला कॉलोनी, गुरुग्राम में भव्य आयोजन हुआ। जहां पहले से ही निरंतर 7 दिनों से आचार्य ओमप्रकाश शास्त्री वृंदावन वाले के माध्यम से भागवत सप्ताह चल रहा था। बोधराज सीकरी के कथनानुसार निरंतर 600 लोगों का एक स्थान पर छः घंटे बैठना इतना सराहनीय कदम है कि यह दर्शाता है कि लोगों के मन में ईश्वर के प्रति कितना भाव उत्पन्न हो रहा है। लगभग सवा 6 बजे श्री गजेंद्र गोसाई ने मंगलाचरण के उपरान्त हनुमान चालीसा पाठ का शुभारंभ किया। जिसका विव्राम 8 बजे हुआ। 8 बजे से 8:30 बजे के बीच में श्री बोधराज सीकरी समाजसेवी जिन्होंने लगभग 6 माह पूर्व हनुमान चालीसा के पाठ की मुहिम छेड़ी थी और इन 6 माह में 2 लाख 65 हजार से अधिक पाठ पिछले सप्ताह तक हो चुके थे। और 600 साथकों द्वारा मंगलवार के दिन 21-21 बार पाठ करने के उपरान्त यह संख्या 12600 और बढ़ गई। यानी अब तक पाठ की संख्या 2 लाख 77 हजार का आंकड़ा पार कर गयी है। इसी प्रकार पहले लगभग 16750 साथक इस



महान यज्ञ के अंदर सम्मिलित हो चुके थे और इन 600 श्रद्धालुओं की गिनती को जोड़ने के उपरान्त ये संख्या 17350 हो गई है। गजेंद्र गोसाई ने अपने निष्कर्ष में बोधराज सीकरी से प्रार्थना की कि आप हर मंगलवार को हनुमान चालीसा या रामचरितमानस के कुछ अंश लेकर उस पर व्याख्या करते हो लेकिन

आज तो स्वतंत्रता दिवस है इसलिए मेरी सीकरी जी प्रार्थना है कि कृपया यहाँ बैठे युवा को पुनः स्वतंत्रता दिवस के बारे में राष्ट्र के बारे में ज्ञान दें और मार्गदर्शन दें। श्री बोधराज सीकरी ने अपने वक्तव्य में प्रारम्भ में ही कह दिया कि पूरे विश्व के अंदर हनुमान जी से अधिक राष्ट्र भक्त कौन हो सकता है।

उन्होंने हनुमान जी की तुलना देश के यशस्वी प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र दामोदर दास मोदी के साथ कर दी कि उन्होंने भी अपना जीवन राष्ट्र को समर्पित कर रखा है और हनुमान जी ने अपने इष्ट देव भगवान राम को और उनकी अयोध्या नगरी को कर रखा है। वो भी चौकीदारी करते थे और नरेंद्र भाई मोदी भी अपने आप को चौकीदार बताते हैं। हनुमान चालीसा में स्पष्ट लिखा है कि "राम दुआरे तुम रखवारे होत न आज्ञा बिनु पैसारे" जैसे हनुमान जी की आज्ञा के बिना कोई राम दरबार में नहीं जा सकता था। इस प्रकार किसी देश की हिम्मत नहीं कि नरेंद्र भाई मोदी के होते हुए हमारे देश की ओर देख भी पाए। अपने संबोधन में बोधराज सीकरी ने युवा पीढ़ी को संविधान के बारे में, संविधान के अंदर समाहित हमारे जो अधिकार हैं, जो कर्तव्य हैं, उनकी विस्तारपूर्वक विवेचना की और युवा पीढ़ी को आगाह किया कि यदि आप अपने अधिकारों का संविधान के अनुसार आनंद उठाना चाहते हो तो पहले आपको उसमें समाहित कर्तव्यों की पालना भी सीखनी होगी। तिरंगा के अंदर जिस प्रकार भगवा रंग शक्ति का प्रतीक है। सफेद रंग शांति का प्रतीक, हरा रंग हरित क्रांति का प्रतीक और अशोक चक्र धर्म का प्रतीक और अशोक चक्र के अंदर 24 तिलियों कर्म परायणता का प्रतीक हैं। इस प्रकार हमें अपने जीवन के अंदर परिवर्तन लाना होगा और

राष्ट्र के प्रति कर्तव्यों में खासकर संविधान के प्रति, राष्ट्रगान के प्रति, अपने कर्तव्यों के प्रति, पर्यावरण के प्रति, महिला सशक्तिकरण के प्रति, इन बातों का विशेष ध्यान रखना होगा। अंत में बोधराज सीकरी ने वहां पर इतने भव्य आयोजन, इतने भीड़ के दौरान अनुशासन दिखाते हुए वहां के भक्तों ने अपने जो भाव दिखाए उनकी भूरी-भूरी प्रशंसा की और बोधराज सीकरी ने कहा कि मेरा मन गद्गद हो गया है। कि मैंने इतनी भीड़ में पाया कि 50 प्रतिशत से अधिक लोग श्रद्धालु वहां पर युवा थे और अनुशासन से न केवल उन्होंने पाठ किया। बल्कि धैर्य होकर श्री ओमप्रकाश शास्त्री जी के भागवत कथा के अतिरिक्त बोधराज सीकरी के वक्तव्य को भी ध्यान से सुना। यद्यपि इस आयोजन में बहुत से लोगों का योगदान था लेकिन इसमें विशेष भूमिका पंडित भीमदत्त जो श्याम जी मंदिर न्यू कालोनी के पुरोहित हैं और इसी मंदिर के प्रधान श्री बोधराज सीकरी हैं उनकी विशेष भूमिका रही जिन्होंने कथा के उपरान्त और हनुमान चालीसा के उपरान्त 2000 से अधिक लोगों के लिए भंडारे की व्यवस्था की थी। देखने के लायक दृश्य था किस प्रकार श्रद्धालु गण पंक्तिबद्ध होकर प्रसाद भी ग्रहण कर रहे हैं और अपनी श्रद्धा भी ईश्वर के प्रति श्रद्धा भी प्रकट कर रहे हैं। इस प्रकार युवा यदि परिवर्तित हो गया तो वो दिन दूर नहीं जब हमारा राष्ट्र विश्व गुरु होगा।

हनुमान जी राष्ट्र भक्ति की अप्रतिम मिसाल : बोधराज सीकरी

बोधराज सीकरी की हनुमान चालीसा पाठ की मुहिम का आंकड़ा हुआ 277000 पार



युवा पीढ़ी अपने कर्तव्यों के प्रति हो सजग : बोधराज सीकरी

गुरुग्राम (एनसीआर टाइम) गुरुग्राम 15 अगस्त स्वतंत्रता दिवस के पावन दिन मंगलवार होने के कारण हनुमान चालीसा पाठ का संगीतमय तरीके श्री गजेंद्र गोसाई की मधुर वाणी के साथ शीतला कॉलोनी, गुरुग्राम में भव्य आयोजन हुआ। जहां पहले से ही निरंतर 7 दिनों से आचार्य ओमप्रकाश शास्त्री युंदावन वाले के माध्यम से भागवत सप्ताह चल रहा था। बोधराज सीकरी के कथनानुसार निरंतर 600 लोगों का एक स्थान पर छः घंटे बैठना सहायनीय कदम है कि यह दर्शाता है कि लोगों के मन में ईश्वर के प्रति कितना भाव उत्पन्न हो रहा है। लगभग सवा 6 बजे श्री गजेंद्र गोसाई ने मंगलाचरण के उपरांत हनुमान चालीसा पाठ का शुभारंभ किया। जिसका विश्राम 8 बजे हुआ। 8 बजे से 8:30 बजे के बीच में श्री बोधराज सीकरी समाजसेवी जिन्होंने लगभग 6 माह पूर्व हनुमान चालीसा के पाठ की मुहिम छेड़ी थी और इन 6 माह में 2 लाख 65 हजार से अधिक पाठ पिछले सप्ताह तक हो चुके थे। और 600 साधकों द्वारा मंगलवार के दिन 21-21 बार पाठ करने के उपरांत यह संख्या 12600 और बढ़ गई। यानी अब तक पाठ की संख्या 2 लाख 77 हजार का आंकड़ा पार कर गयी है। इसी प्रकार पहले लगभग 16750 साधक इस महान यज्ञ के अंदर सम्मिलित हो चुके थे और इन 600 श्रद्धालुओं की गिनती को जोड़ने के उपरांत ये संख्या 17350 हो गई है। गजेंद्र गोसाई ने अपने निष्कर्ष में बोधराज सीकरी से प्रार्थना की कि आप हर मंगलवार को हनुमान चालीसा या रामचरितमानस के कुछ अंश लेकर उस पर व्याख्या करते हो लेकिन आज तो स्वतंत्रता दिवस है इसलिए मेरी सीकरी जी प्रार्थना है कि कृपया यहाँ बैठे युवा को पुनः स्वतंत्रता दिवस के बारे में राष्ट्र के बारे में ज्ञान दें और मार्गदर्शन दें। श्री बोधराज सीकरी ने अपने वक्तव्य में प्रारम्भ में ही कह दिया कि पूरे विश्व के अंदर

हनुमान जी से अधिक राष्ट्र भक्त कौन हो सकता है। उन्होंने हनुमान जी की तुलना देश के यशस्वी प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र दामोदर दास मोदी के साथ कर दी कि उन्होंने भी अपना जीवन राष्ट्र को समर्पित कर रखा है और हनुमान जी ने अपने इष्ट देव भगवान राम को और उनकी अयोध्या नगरी को कर रखा है। वो भी चौकीदारी करते थे और नरेंद्र भाई मोदी भी अपने आप को चौकीदार बताते हैं। हनुमान चालीसा में स्पष्ट लिखा है कि

**"राम दुआरे तुम रखवारे
होत न आझा बिनु पैसारे"**

जैसे हनुमान जी की आज्ञा के बिना कोई राम दरबार में नहीं जा सकता था। इस प्रकार किसी देश की हिम्मत नहीं कि नरेंद्र भाई मोदी के होते हुए हमारे देश की ओर देख भी पाए। अपने संबोधन में बोधराज सीकरी ने युवा पीढ़ी को संविधान के बारे में, संविधान के अंदर समाहित हमारे जो अधिकार हैं, जो कर्तव्य हैं, उनकी विस्तारपूर्वक विवेचना की और युवा पीढ़ी को आगाह किया कि यदि आप अपने अधिकारों का संविधान के अनुसार आनंद उठाना चाहते हो तो पहले आपको उसमें समाहित कर्तव्यों की पालना भी सीखनी होगी। तिरंगा के अंदर जिस प्रकार भगवा रंग शक्ति का प्रतीक है। सफेद रंग शांति का प्रतीक, हरा रंग हरित क्रांति का प्रतीक और अशोक चक्र धर्म का प्रतीक और अशोक चक्र के अंदर 24 तिलियाँ कर्म परायणता का प्रतीक हैं। इस प्रकार हमें अपने जीवन के अंदर परिवर्तन लाना होगा और राष्ट्र के प्रति कर्तव्यों में खासकर संविधान के प्रति, राष्ट्रगान के प्रति, अपने कर्तव्यों के प्रति, पर्यावरण के प्रति, महिला सशक्तिकरण के प्रति, इन बातों का विशेष ध्यान रखना होगा। अंत में बोधराज सीकरी ने वहाँ पर इतने भव्य आयोजन, इतने भीड़ के दौरान अनुशासन दिखाते हुए वहाँ के भक्तों ने अपने जो भाव दिखाए उनकी भूरी-भूरी प्रशंसा की और बोधराज सीकरी ने कहा कि मेरा मन गदगद हो गया है। कि मैंने इतनी भीड़ में पाया कि 50 प्रतिशत से अधिक लोग श्रद्धालु वहाँ पर युवा थे और अनुशासन से न केवल उन्होंने पाठ किया। बल्कि धैर्य होकर श्री ओमप्रकाश शास्त्री जी के भागवत कथा के अतिरिक्त बोधराज सीकरी के वक्तव्य को भी ध्यान से सुना। यद्यपि इस आयोजन में बहुत से लोगों का योगदान था लेकिन इसमें विशेष भूमिका पंडित भीमदत्त जो श्याम जी मंदिर न्यू कालोनी के पुरोहित हैं और इसी मंदिर के प्रधान श्री बोधराज सीकरी हैं उनकी विशेष भूमिका रही जिन्होंने कथा के उपरांत और हनुमान चालीसा के उपरांत 2000 से अधिक लोगों के लिए भंडारे की व्यवस्था की थी। देखने के लायक दृश्य था कि साधक श्रद्धालु गण पंक्तिबद्ध होकर प्रसाद भी ग्रहण कर रहे हैं और अपनी श्रद्धा भी ईश्वर के प्रति श्रद्धा भी प्रकट कर रहे हैं। इस प्रकार युवा यदि परिवर्तित हो गया तो वो दिन दूर नहीं जब हमारा राष्ट्र विश्व गुरु होगा।

इसके अतिरिक्त हर मंगलवार की तरह श्री जामपुर शिव मंदिर ईस्ट ऑफ कैलाश में 60 साधकों ने शाम की बैठक में 5-5 बार हनुमान चालीसा का पाठ किया। कुल संख्या 300 हुई जिसे उपरोक्त संख्या में जोड़ा जाए तो ये आंकड़ा 2 लाख 77 हजार 900 हो गया। कुल लोगों की अब तक की मुहिम में भागीदारी 17410 हो गई। इस अवसर पर डॉ अलका शर्मा, गजेन्द्र गोसाई, रमेश कामरा, ज्योत्सना बजाज, रचना बजाज, संतोष पाहुजा, पूनम गोसाई, पुष्पा नासा, ओम प्रकाश गाबा, द्वारका नाथ मक्कड़, सीमा शर्मा, शानो पाहुजा, रणधीर टंडन व यजमान की सूची में पंडित भीम दत्त, राजिंदर, प्रदीप, धूप सिंह, जसवंत, भीम सिंह, मुकेश, धनीराम गुप्ता, बी 2 गली, शीतला माता कॉलोनी के सभी निवासी उपस्थित रहे।

राष्ट्रीय दैनिक ई-पेपर

भारत सारथी

बोधराज सीकरी की हनुमान चालीसा पाठ की मुहिम का आंकड़ा हुआ 2, 77, 000 पार

हनुमान जी राष्ट्रभक्ति की अप्रतिम मिसाल : बोधराज सीकरी

भारत सारथी

गुरुग्राम। 15 अगस्त स्वतंत्रता दिवस के पावन दिन मंगलवार होने के कारण हनुमान चालीसा पाठ का संगीतमय तरीके श्री गजेंद्र गोसाईं की मधुर बाणी के साथ शीतला कॉलोनी, गुरुग्राम में भव्य आयोजन हुआ। जहां पहले से ही निरंतर 7 दिनों से आयोजित ओमप्रकाश शास्त्री बुंदावन वाले के माध्यम से भागवत सप्ताह चल रहा था। बोधराज सीकरी के कथनानुसार निरंतर 600 लोगों का एक स्थान पर छः घंटे बैठना इतना सराहनीय कदम है कि यह दर्शाता है कि लोगों के मन में ईश्वर के प्रति कितना भाव उत्पन्न हो रहा है। लगभग सवा 6 बजे श्री गजेंद्र गोसाईं ने मंगलाचरण के उपरांत हनुमान चालीसा पाठ का शुभारंभ किया। जिसका विश्राम 8 बजे हुआ। 18 बजे से 8:30 बजे के बीच में श्री बोधराज सीकरी समाजसेवी जिन्होंने लगभग 6 माह पूर्व हनुमान चालीसा के पाठ की मुहिम छेड़ी थी और इन 6 माह में

युवा पीढ़ी अपने कर्तव्यों के प्रति हो सजग : बोधराज सीकरी

2 लाख 65 हजार से अधिक पाठ पिछले सप्ताह तक हो चुके थे। और 600 साधकों द्वारा मंगलवार के दिन 21-21 बार पाठ करने के उपरांत यह संख्या 12600 और बढ़ गई। यानी अब तक पाठ की संख्या 2 लाख 77 हजार का आंकड़ा पार कर गयी है। इसी प्रकार पहले लगभग 16750 साधक इस महान यज्ञ के अंदर सम्मिलित हो चुके थे और इन 600 ब्रह्मलुओं की गिनती को जोड़ने के उपरांत ये संख्या 17350 हो गई है। गजेंद्र गोसाईं ने अपने निष्कर्ष में बोधराज सीकरी से प्रार्थना की कि आप हर मंगलवार को हनुमान चालीसा या रामचरितमानस के कुछ अंश लेकर उस पर व्याख्या करते हो लेकिन आज तो स्वतंत्रता दिवस है इसलिए मेरी सीकरी की प्रार्थना है कि



कृपा यहाँ बैठे युवा को पुनः स्वतंत्रता दिवस के बारे में राष्ट्र के बारे में ज्ञान दें और मार्गदर्शन दें।

बोधराज सीकरी ने अपने वक्तव्य में प्रारम्भ में ही कहा दिया कि पूरे विश्व के अंदर हनुमान जी से अधिक

राष्ट्र भक्त कौन हो सकता है। उन्होंने हनुमान जी की तुलना देश के यशस्वी प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र दामोदर दास मोदी के साथ कर दी कि उन्होंने भी अपना जीवन राष्ट्र को समर्पित कर रखा है और हनुमान जी ने अपने इष्ट देव भगवान राम की और उनकी अवोध्या नगरी को कर रखा है। वो भी चौकीदार करते थे और नरेंद्र भाई मोदी भी अपने आप को चौकीदार बताते हैं। हनुमान चालीसा में स्पष्ट लिखा है कि

राम दुआरे तुम रखवाये होत न आज्ञा विनु पैसारे
जैसे हनुमान जी की आज्ञा के बिना कोई राम दरबार में नहीं जा सकता था। इस प्रकार किसी देश की हिम्मत नहीं कि नरेंद्र भाई मोदी के होते हुए हमारे देश की और देख भी पाए। अपने संबोधन में बोधराज सीकरी ने युवा पीढ़ी को संविधान के बारे में, संविधान के अंदर समाहित हमारे जो अधिकार हैं, जो कर्तव्य हैं, उनकी विस्तारपूर्वक विवेचना की

और युवा पीढ़ी को आगाह किया कि यदि आप अपने अधिकारों का संविधान के अनुसार आनंद उठाना चाहते हो तो पहले आपको उसमें समाहित कर्तव्यों को पालना भी सोखनी होगी। तिरंग के अंदर जिस प्रकार भगवा रंग शक्ति का प्रतीक है। सफेद रंग शांति का प्रतीक, हरा रंग हरित क्रांति का प्रतीक और अशोक चक्र धर्म का प्रतीक और अशोक चक्र के अंदर 24 तिलियों कर्म परायणता का प्रतीक हैं। इस प्रकार हमें अपने जीवन के अंदर परिवर्तन लाना होगा और राष्ट्र के प्रति कर्तव्यों में खासकर संविधान के प्रति, राष्ट्रपति के प्रति, अपने कर्तव्यों के प्रति, पर्यावरण के प्रति, महिला सर्वाधिकार के प्रति, इन व्यक्तियों का विशेष ध्यान रखना होगा। अंत में बोधराज सीकरी ने वहाँ पर इतने भव्य आयोजन, इतने भीड़ के दौरान अनुशासन दिखाते हुए वहाँ के भक्तों ने अपने जो भाव दिखाए उनकी भूत-भूरी प्रशंसा की और बोधराज

सीकरी ने कहा कि मेरा मन गदगद हो गया है। कि मैंने इतनी भीड़ में पाया कि 50 प्रतिशत से अधिक लोग ब्रह्मलु वहाँ पर युवा थे और अनुशासन से न केवल उन्होंने पाठ किया। बल्कि धैर्य होकर श्री ओमप्रकाश शास्त्री जी के भागवत कथा के अतिरिक्त बोधराज सीकरी के वक्तव्य को भी ध्यान से सुना। स्वर्णिम इस आयोजन में बहुत से लोगों का योगदान था लेकिन इसमें विशेष भूमिका पंडित भीमदत्त जो श्याम जी मंदिर न्यू कालोनी के पुरोहित हैं और इसी मंदिर के प्रधान श्री बोधराज सीकरी हैं उनको विशेष भूमिका रही जिन्होंने कथा के उपरांत और हनुमान चालीसा के उपरांत 2000 से अधिक लोगों के लिए भंडारे की व्यवस्था की थी। देखने के लायक दृश्य था किस प्रकार ब्रह्मलु गण पंक्तिबद्ध होकर प्रसाद भी ग्रहण कर रहे हैं और अपनी ब्रह्म भी ईश्वर के प्रति ब्रह्म भी प्रकट कर रहे हैं। इस प्रकार युवा यदि परिवर्तित हो

गया तो वो दिन दूर नहीं जब हमारा राष्ट्र विश्व गुरु होगा।
इसके अतिरिक्त हर मंगलवार को तरह श्री जामपुर शिव मंदिर ईर ऑफ कैलाश में 60 साधकों ने शा की बैठक में 5-5 बार हनुमान चालीसा का पाठ किया। कुल संख्या 300 हुई जिसे उपरोक्त संख्या में जोड़ा जाए तो ये आंकड़ा 2 लाख 77 हजार 900 हो गया। कुल लोगों के अब तक की मुहिम में भागीदार 17410 हो गई।
इस अवसर पर डॉ अलका शर्मा गजेन्द्र गोसाईं, रमेश कामरा ज्योत्सना बजाव, रचना बजाव संतोष पाहुजा, पुनम गोसाईं, पुष्पा नासा, ओमप्रकाश गाथा, द्वारका ना मकराडू, सीमा शर्मा, शानो पाहुजा रणधीर टंडन व यजमान की सूची में पंडित भीम दत्त, राजेंद्र, प्रदीप, धृ सिंह, जयवंत, भीम सिंह, मुकेश धनीराम गुप्ता, बी 2 गली, शीतल माता कॉलोनी के सभी निवास उपस्थित रहे।

ज्योति दर्पण

Website : www.jyotidarpan.com

हिन्दी दैनिक

हनुमान जी राष्ट्र भक्ति की अप्रतिम मिसाल : बोधराज सीकरी

ज्योति दर्पण संवाददाता

गुरुग्राम। स्वतंत्रता दिवस के पावन दिन मंगलवार होने के कारण हनुमान चालीसा पाठ का संगीतमय तरीके श्री गजेन्द्र गोसाईं की मधुर वाणी के साथ शीतला कॉलोनी, गुरुग्राम में भव्य आयोजन हुआ। जहां पहले से ही निरंतर 7 दिनों से आचार्य ओमप्रकाश शास्त्री वृंदावन वाले के माध्यम से भागवत सप्ताह चल रहा था। बोधराज सीकरी के कथनानुसार निरंतर 600 लोगों का एक स्थान पर छः घंटे बैठना इतना सराहनीय कदम है कि यह दर्शाता है कि लोगों के मन में ईश्वर के प्रति कितना भाव उत्पन्न हो रहा है। लगभग सवा 6 बजे श्री गजेन्द्र गोसाईं ने मंगलाचरण के उपरांत हनुमान चालीसा पाठ का शुभारंभ किया। जिसका विश्राम 8 बजे हुआ। 8 बजे से 8:30 बजे के बीच में श्री बोधराज सीकरी समाजसेवी जिन्होंने लगभग 6 माह पूर्व हनुमान चालीसा के पाठ की मुहिम छेड़ी थी और इन 6 माह में 2 लाख 65 हजार से अधिक पाठ पिछले सप्ताह तक हो चुके थे। और 600 साधकों द्वारा मंगलवार के दिन 21-21 बार पाठ करने के उपरांत यह संख्या 12600 और बढ़ गई। यानी अब तक पाठ की संख्या 2 लाख 77 हजार का आंकड़ा पार कर गयी है। इसी प्रकार पहले लगभग 16750 साधक इस महान यज्ञ के अंदर सम्मिलित हो चुके थे और इन 600 श्रद्धालुओं की गिनती को जोड़ने के उपरांत ये संख्या 17350 हो गई है। गजेन्द्र गोसाईं ने अपने निष्कर्ष में बोधराज सीकरी से प्रार्थना की कि आप हर मंगलवार को हनुमान चालीसा या रामचरितमानस के कुछ अंश लेकर उस पर व्याख्या करते

हो लेकिन आज तो स्वतंत्रता दिवस है इसलिए मेरी सीकरी जी प्रार्थना है कि कृपया यहाँ बैठे युवा को पुनः स्वतंत्रता दिवस के बारे में राष्ट्र के बारे में ज्ञान दें और मार्गदर्शन दें। श्री बोधराज सीकरी ने अपने वक्तव्य में प्रारम्भ में ही कह दिया कि पूरे विश्व के अंदर हनुमान जी से अधिक राष्ट्र भक्त कौन हो सकता है। उन्होंने हनुमान जी की तुलना देश के यशस्वी प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र दामोदर दास मोदी के साथ कर दी कि उन्होंने भी अपना जीवन राष्ट्र को समर्पित कर रखा है और हनुमान जी ने अपने इष्ट देव भगवान राम को और उनकी अयोध्या नगरी को कर रखा है। वो भी चौकीदारी करते थे और नरेंद्र भाई मोदी भी अपने आप को चौकीदार बताते हैं। हनुमान चालीसा में स्पष्ट लिखा है कि

**राम दुआरे तुम रखवारे
होत न आज्ञा बिनु पैसारे**

जैसे हनुमान जी की आज्ञा के बिना कोई राम दरबार में नहीं जा सकता था। इस प्रकार किसी देश की हिम्मत नहीं कि नरेंद्र भाई मोदी के होते हुए हमारे देश की ओर देख भी पाए। अपने संबोधन में बोधराज सीकरी ने युवा पीढ़ी को संविधान के बारे में, संविधान के अंदर समाहित हमारे जो अधिकार हैं, जो कर्तव्य हैं, उनकी विस्तारपूर्वक विवेचना की और युवा पीढ़ी को आगाह किया कि यदि आप अपने अधिकारों का संविधान के अनुसार आनंद उठाना चाहते हो तो पहले आपको उसमें समाहित कर्तव्यों की पालना भी सीखनी होगी। तिरंगा के अंदर जिस प्रकार भगवा रंग शक्ति का प्रतीक है। सफेद रंग शांति का प्रतीक,



हरा रंग हरित क्रांति का प्रतीक और अशोक चक्र धर्म का प्रतीक और अशोक चक्र के अंदर 24 तिलियाँ कम परायणता का प्रतीक हैं। इस प्रकार हमें अपने जीवन के अंदर परिवर्तन लाना होगा और राष्ट्र के प्रति कर्तव्यों में खासकर संविधान के प्रति, राष्ट्रगान के प्रति, अपने कर्तव्यों के प्रति, पर्यावरण के प्रति, महिला सशक्तिकरण के प्रति, इन बातों का विशेष ध्यान रखना होगा। अंत में बोधराज सीकरी ने वहाँ पर इतने भव्य आयोजन, इतने भीड़ के दौरान अनुशासन दिखाते हुए वहाँ के भक्तों ने अपने जो भाव दिखाए उनकी भूरी-भूरी प्रशंसा की और बोधराज सीकरी ने कहा कि मेरा मन गद्गद हो गया है। कि मैंने इतनी भीड़ में पाया कि 50 प्रतिशत से अधिक लोग श्रद्धालु वहाँ पर युवा थे और अनुशासन से न केवल उन्होंने पाठ किया।

बल्कि धैर्य होकर श्री ओमप्रकाश शास्त्री जी के भागवत कथा के अतिरिक्त बोधराज सीकरी के वक्तव्य को भी ध्यान से सुना। यद्यपि इस आयोजन में बहुत से लोगों का योगदान था लेकिन इसमें विशेष भूमिका पंडित भीमदत्त जो श्याम जी मंदिर न्यू कालोनी के पुरोहित हैं और इसी मंदिर के प्रधान श्री बोधराज सीकरी हैं उनकी विशेष भूमिका रही जिन्होंने कथा के उपरांत और हनुमान चालीसा के उपरांत 2000 से अधिक लोगों के लिए भंडारे की व्यवस्था की थी। देखने के लायक दृश्य था किस प्रकार श्रद्धालु गण पंक्तिबद्ध होकर प्रसाद भी ग्रहण कर रहे हैं और अपनी श्रद्धा भी ईश्वर के प्रति श्रद्धा भी प्रकट कर रहे हैं। इस प्रकार युवा यदि परिवर्तित हो गया तो वो दिन दूर नहीं जब हमारा राष्ट्र विश्व गुरु होगा। इसके अतिरिक्त हर मंगलवार की तरह श्री जामपुर शिव मंदिर ईस्ट ऑफ कैलाश में 60 साधकों ने शाम की बैठक में 5-5 बार हनुमान चालीसा का पाठ किया। कुल संख्या 300 हुई जिसे उपरोक्त संख्या में जोड़ा जाए तो ये आंकड़ा 2 लाख 77 हजार 900 हो गया। कुल लोगों की अब तक की मुहिम में भागीदारी 17410 हो गई। इस अवसर पर डॉ अलका शर्मा, गजेन्द्र गोसाईं, रमेश कामरा, ज्योत्सना बजाज, रचना बजाज, संतोष पाहुजा, पूनम गोसाईं, पुष्पा नासा, ओम प्रकाश गाबा, द्वारका नाथ मक्कड़, सीमा शर्मा, शानो पाहुजा, रणधीर टंडन व यजमान की सूची में पंडित भीम दत्त, राजेंद्र, प्रदीप, धूप सिंह, जसवंत, भीम सिंह, मुकेश, धनीराम गुप्ता, वो 2 गली, शीतला माता कॉलोनी के सभी निवासी उपस्थित रहे।

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

ह्यूमन इंडिया

हम बनेंगे आपकी आवाज

हनुमान चालीसा पाठ की मुहिम का आंकड़ा हुआ 277000 पार

हनुमान जी राष्ट्र भक्ति की अप्रतिम मिसाल : बोधराज सीकरी



ह्यूमन इंडिया/ब्यूरो

गुरुग्राम। हनुमान चालीसा पाठ का संगीतमय तरीके गजेंद्र गोसाई की मधुर वाणी के साथ शीतला कॉलोनी में भव्य आयोजन हुआ। वहां पहले से ही निरंतर 7 दिनों से आचार्य

ओमप्रकाश शास्त्री वृंदावन वाले के माध्यम से भागवत सप्ताह चल रहा था। समाजसेवी बोधराज सीकरी के कथनानुसार निरंतर 600 लोगों का एक स्थान पर छह घंटे बैठना सराहनीय कदम है। ह दर्शाता है कि

लोगों के मन में ईश्वर के प्रति कितना भाव उत्पन्न हो रहा है।

बोधराज सीकरी ने बताया कि लगभग सवा 6 बजे श्री गजेंद्र गोसाई ने मंगलाचरण के उपरांत हनुमान चालीसा पाठ का शुभारंभ किया।

जिसका विश्राम 8 बजे हुआ। बोधराज सीकरी ने लगभग 6 माह पूर्व हनुमान चालीसा के पाठ की मुहिम छोड़ी थी।

इन 6 माह में 2 लाख 65 हजार से अधिक पाठ पिछले सप्ताह तक हो चुके थे। और 600 साधकों द्वारा मंगलवार के दिन 21-21 बार पाठ करने के उपरांत यह संख्या 12600 और बढ़ गई। यानी अब तक पाठ की संख्या 2 लाख 77 हजार का आंकड़ा पार कर गयी है। इसी प्रकार पहले लगभग 16750 साधक इस महान यज्ञ के अंदर सम्मिलित हो चुके थे और इन 600 श्रद्धालुओं की गिनती को जोड़ने के उपरांत ये संख्या 17350 हो गई है। इस अवसर पर डॉ. अलका शर्मा, रमेश कामरा, ज्योत्सना बजाज, रचना बजाज, संतोष पाहुजा, पूनम गोसाई, पुष्पा नासा, ओम प्रकाश गाबा, द्वारका नाथ मक्कड़, सीमा शर्मा, शानो पाहुजा, रणधीर टंडन व यजमान की सूची में पंडित भीम दत्त, राजिंदर, प्रदीप, धूप सिंह, जसवंत, भीम सिंह, मुकेश, धनीराम गुप्ता, बी-2 गली, शीतला माता कॉलोनी के सभी निवासी उपस्थित रहे।

Viral Sach : Bodhraj Sikri – 15 अगस्त स्वतंत्रता दिवस के पावन दिन मंगलवार होने के कारण हनुमान चालीसा पाठ का संगीतमय तरीके श्री गजेन्द्र गोसाई की मधुर वाणी के साथ शीतला कॉलोनी, गुरुग्राम में भव्य आयोजन हुआ।

यहां पहले से ही गिरिराज 7 दिनों से आवाप ओम्प्रकाश शास्त्री नृदान करते के माध्यम से भजनत संचालन चल रहा था। बोधराज सिकरी के कथनानुसार गिरिराज 600 लोगों का एक स्थान पर उ- पड़े बैठवा इतना सहायीय बन्धन है कि यह दर्शाता है कि लोगों के मन में ईश्वर के प्रति कितना धार उठाने लगे रहते हैं।

लगभग सवा 6 बने श्री गजेन्द्र गोसाई ने मंगलवार के उपरांत हनुमान चालीसा पाठ का सुधरेम किया। जिसका मिश्रण 8 बने हुआ। 8 बने से 8.30 बने के बीच में श्री बोधराज सिकरी समानसेरी विचारों तपधन 6 मर पूरे हनुमान चालीसा के पाठ की मुद्रिम छोड़ी थी और दून 8 माह में 2 लाख 85 हजार से अधिक पाठ पिछले सवाह एक हो चुके थे।

600 साधकों द्वारा मंगलवार के दिन 21-21 बार पाठ करने के उपरांत यह संख्या 12800 और बढ़ गई। पाठों अथ एक पाठ की संख्या 2 लाख 77 हजार का आंकड़ा पार कर गयी है। इसी प्रकार पहले लगभग 16750 साधक इस महान कर्म के अंदर सम्मिलित हो चुके थे और दून 600 ब्रह्मसुओं की शिपती से लौटने के उपरांत ये संख्या 17250 हो गई है।

गजेन्द्र गोसाई ने अपने निष्कर्ष में बोधराज सिकरी से प्रार्थना की कि आप दूर संततवार की हनुमान चालीसा वा गमनगीतमयस के कुछ अंश लेकर उस पर व्यवस्था कराते हो लेकिन आज लें सारंगत गिरिराज है इसलिए वहीं सिकरी की प्रार्थना है कि कृपा वहाँ बैठे बुद्ध को पुनः सारंगत दिवस के बारे में राष्ट्र के बारे में ज्ञान दें और मार्गदर्शन दें।

श्री बोधराज सिकरी ने अपने वक्तव्य में प्रारम्भ में ही कह दिया कि पूरे विश्व के अंदर हनुमान जी से अधिक राष्ट्र भक्त कौन हो सकता है। उन्होंने हनुमान जी की तुलना देव के घराणी प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के साथ कर दी कि उन्होंने भी अपने जीवन राष्ट्र को समर्पित कर रखा है और हनुमान जी ने अपने इष्ट देव भगवान राम की और उनकी अर्पणा नगरी को कर रखा है। वो भी नौकीरानी कराते थे और नरेंद्र मोदी मोदी भी अपने आप को नौकीराना कराते हैं। हनुमान चालीसा में स्पष्ट लिखा है कि

“राम हुआतु तुम रक्खारी
होत न अरु निनु पैसारी”

ऐसे हनुमान जी की आज के बिना कोई राम इस्लाम में नहीं ला सकता था। इस प्रकार किसी देश की हिमाल नहीं कि नरेंद्र मोदी मोदी के होते हुए हमारे देश की और देख भी पार। अपने संवर्धन में बोधराज सिकरी ने बुद्ध पीढ़ी को संविधान के बारे में, संविधान के अंदर समर्पित हमारे लो अधिकार हैं, वो कर्तव्य हैं, उनकी प्रस्तावपूर्ण सिनेशन की और बुद्ध पीढ़ी को असाह किया कि यदि आप अपने अधिकारों का संविधान के अनुसार आनंद उठाते चलाते हो तो पहले आपको उसमें समर्पित नरेंद्र मोदी की धारणा भी सीखनी होगी।

जिसके अंदर फिर प्रकार भला एक शक्ति का प्रतीक है। संप्रति एक शक्ति का प्रतीक, इस रंग हरित ऊर्जा का प्रतीक और अशोक चक्र धर्म का प्रतीक और अशोक चक्र के अंदर 24 तिरिचों कर्म परम्परा का प्रतीक है।

इस प्रकार हमें अपने जीवन के अंदर परिवर्तन लाना होगा और राष्ट्र के प्रति कर्तव्य में शासन संविधान के प्रति, राष्ट्रधन के प्रति, अपने कर्तव्यों के प्रति, पर्यावरण के प्रति, महिला सशक्तिकरण के प्रति, दून बच्चों का विशेष ध्यान रखना होगा। जेत में बोधराज सिकरी ने वहाँ पर दूतने धन्य आयोजन, इतने भीष्ट के दौरान अनुशासन दिखते हुए वहाँ के भक्तों ने अपने लो धन दिखाए उनकी भूतिभूती प्रशंसा की और बोधराज सिकरी ने कहा कि मेरा मन मगड़ हो गया है।

ऐसे इसी भीष्ट में क्या कि 50 प्रतिशत से अधिक लोग ब्रह्मसु वहाँ पर मुख थे और अनुशासन से न केमत उन्होंने बात किया। बल्कि शैव होकर श्री ओम्प्रकाश शास्त्री जी के भगवत कथा के अतिरिक्त बोधराज सिकरी के वक्तव्य को भी ध्यान से सुना।

यद्यपि इस आयोजन में बहुत से लोगों का योगदान था लेकिन इसमें विशेष धूमिम पंडित भीमदत्त जो स्वयं जी मंदिर न्यू कालोनी के पुत्रिष्ठ हैं और इसी मंदिर के प्रधान श्री बोधराज सिकरी हैं उनकी विशेष धूमिका रही जिनोंने कथा के उपरांत और हनुमान चालीसा के उपरांत 2000 से अधिक लोगों के लिए भोडों की व्यवस्था की थी।

देखने के लक्ष्य द्रव्य था कि इस प्रकार ब्रह्मसु गण पसिक्क होकर प्रसाद भी ग्रहण कर रहे हैं और अपनी ब्रह्म भी ईश्वर के प्रति ब्रह्म भी प्रकट कर रहे हैं। इस प्रकार बुद्ध यदि परिवर्तित हो गया तो गी दिन दूर नहीं जब हमारा राष्ट्र विश्व मुक्त होगा।

इसके अतिरिक्त हर मंगलवार की रात श्री कामधुस मित्र मंदिर ईश्वर ओम्प्रकाश में 60 साधकों ने शाम की बैठक में 5-5 बार हनुमान चालीसा का पाठ किया। कुल संख्या 300 हुई जिसे उपरांत संख्या में जोड़ा जाए तो ये आंकड़ा 2 लाख 77 हजार 900 हो गया। कुल लोगों की अब तक की मुद्रिम में भागीदारी 17410 हो गई।

इस अवसर पर डॉ अलका शर्मा, गजेन्द्र गोसाई, रमेश कामरा, ज्योत्सना बजाज, रचना कासार, संतोष पालुवा, पुनम गोसाई, पुष्पा नरस, ओम्प्रकाश गवा, द्वारका राध मस्कड़, सीमा शर्मा, शानी पालुवा, राशमी टंडन व बनमाली की सुनौ में, पंडित भीम दत्त, रविंद्र, प्रदीप, धीर सिंह, नरसिंह, धीर सिंह, मुकेश, शशीराम गुप्ता, श्री 2 कली, शीलता माता कौलीनी के साथै निवासी उपस्थित रहे।

Bodhraj Sikri की हनुमान चालीसा पाठ की मुहिम का आंकड़ा हुआ 277000 पार

Viral Sach · August 16, 2022 · POLITICS · 5 minute read



बोधराज सीकरी की हनुमान चालीसा पाठ की मुहिम का आंकड़ा हुआ 2, 77, 000 पार

हनुमान जी राष्ट्र भक्ति की अप्रतिम मिसाल : बोधराज सीकरी

पुष्पा पीढ़ी अपने कर्तव्यों के प्रति हो सजग : बोधराज सीकरी

गुरुग्राम। कल दिनांक 15 अगस्त स्वतंत्रता दिवस के पावन दिन मंगलवार होने के कारण हनुमान चालीसा पाठ का संगीतमय उत्सव श्री गणेश गोसवाई की मधुर वाणी के साथ सीकरी कॉलेज, गुरुग्राम में अथ आभोग्यन हुआ यह पहलू से ही निरंतर 7 दिनों से आचार्य ओमप्रकाश शास्त्री कुशल वाले के माध्यम से भागवत सप्ताह चल रहा था। बोधराज सीकरी के कर्मचारियों ने निरंतर 600 लोगों को एक स्थान पर एक-एक करके सप्ताहभर का पाठ कराया है कि यह दशहरा है कि लोगों के मन में ईश्वर के प्रति विनम्र भाव उत्पन्न हो रहा है। लगभग साढ़े 6 करोड़ गोसवाई ने मंगलवार के उपरांत हनुमान चालीसा पाठ का शुभारंभ किया। जिसका विवरण 8 करोड़ हुआ। 8 करोड़ से 8:30 करोड़ के बीच में श्री बोधराज सीकरी स्थानकारी निम्नलिखित लगभग 6 माह पूर्व हनुमान चालीसा के पाठ की मुहिम ऐसी ही और इन 6 माह में 2 लाख 65 हजार से अधिक पाठ पिटले सप्ताह तक हो चुके थे। और 600 साधकों द्वारा मंगलवार के दिन 21-21 बार पाठ करने के उपरांत यह संख्या 12600 और बढ़ गई। यानी अब तक पाठ की संख्या 2 लाख 77 हजार का आंकड़ा पार कर चुकी है। इसी प्रकार पहले लगभग 16750 साधक इस महान यज्ञ के अंतर्गत शामिल हो चुके थे और इन 600 श्रद्धालुओं की निम्नलिखित चोटी के उपरांत यह संख्या 17350 हो गई है। गणेश गोसवाई ने अपने निष्कर्ष में बोधराज सीकरी से प्रार्थना की कि अब हर मंगलवार को हनुमान चालीसा या रामचरितमानस के कुछ अंश रोजक उस पर लक्ष्य कर रहे होंगे लेकिन आज तो स्वतंत्रता दिवस है इसलिए मेरी साक्यों की प्रार्थना है कि कृपया यहाँ के युवा को पुनः स्वतंत्रता दिवस के बारे में राष्ट्र के बारे में जगान है और जागरूक हैं।



श्री बोधराज सीकरी ने अपने वाक्या में प्रारंभ में ही कहा दिया कि पूरे विश्व के अंतर्गत हनुमान जी से अधिक राष्ट्र भक्त कोई हो सकता है। उन्होंने हनुमान जी की तुलना देश के महावीर प्रहलादजी और नरेश रामोदर दास साहू की साथ कर दी कि उन्होंने भी अपना जीवन राष्ट्र को समर्पित कर दिया है और हनुमान जी ने अपने राष्ट्र देश भगवान राम को और उनकी अनुयायी नगरी को बचा रखा है। श्री सीकरी जी कहते हैं और नरेश रामोदर दास साहू भी अपने आप को पौरविकार कहते हैं। हनुमान चालीसा में स्पष्ट लिखा है कि

**‘राम दुखे तुम दखारे
होत न आजा बिनु पैसा’**

जैसे हनुमान जी की आज के विश्व को राम दखारे में नहीं जा सकता था। इस प्रकार किसी देश की हितमत नहीं कि नरेश रामोदर दास साहू के होते हुए हमारे देश की ओर देश भी पाए। अपने स्वभाव में बोधराज सीकरी ने पुष्पा पीढ़ी को स्वभाव के बारे में, संविधान के अंतर्गत समाहित हमारे जो अधिकार हैं, जो कर्तव्य हैं, उनकी विस्तारपूर्वक विवेचना की और युवा पीढ़ी को आगाह किया कि यदि आप अपने अधिकारों का स्वभाव के अनुसार आनंद उठाया चाहते हैं तो पहले आपको अपने समाहित कर्तव्यों की पालना भी सीखनी होगी। विद्वानों के अंतर्गत नित्य प्रकाश भगवत दंग हक्ति का प्रतीक है। संपन्न दंग शांति का प्रतीक, हटा दंग हक्ति प्रगति का प्रतीक और अशोक चक्र धर्म का प्रतीक और अशोक चक्र के अंतर्गत 24 विभिन्न कर्म पत्रांगता का प्रतीक है। इस प्रकार हमें अपने जीवन के अंतर्गत प्रतिनिधि लगाना होगा और राष्ट्र के प्रति कर्तव्यों में छासकट स्वभाव के प्रति, स्वतंत्रता के प्रति, अपने कर्तव्यों के प्रति, परामर्श के प्रति, महिला स्वतंत्रता के प्रति, इन सबों का विशेष ध्यान रखना होगा। अंत में बोधराज सीकरी ने यह पद धारण अथ अन्वेषण, दानों में भीड़ के दौरान अनुशासन दिखाने हुए यह के अंतर्गत में अपने जो भाव दिखाए उनकी भूरी-भूरी प्रशंसा की और बोधराज सीकरी ने कहा कि मेरा मन बहुत हो गया है। कि मैंने इसी भीड़ में पाया कि 50 प्रतिशत से अधिक लोग श्रद्धालु बने पद युवा थे और अनुशासन से न केवल उन्होंने पाठ किया। बल्कि वेर्य होकर श्री ओमप्रकाश शास्त्री जी के भागवत कथा के अतिरिक्त बोधराज सीकरी के वाक्या को भी ध्यान से सुनाया। इस आयोजन में बहुत से लोगों का योगदान था लेकिन इसमें विशेष भूमिका पंडित श्रीमदा श्री ह्याम जी मणि लू कालेगी के पुत्रोदित हैं और इसी मणि के प्रधान श्री बोधराज सीकरी हैं उनकी विशेष भूमिका रही निम्नलिखित कथा के उपरांत और हनुमान चालीसा के उपरांत 2000 से अधिक लोगों के लिए भंडारे की व्यवस्था की गई। देशों के लाखों दंग या किस प्रकार श्रद्धालु नग पवित्राद होकर प्रसाद भी बहुत कर रहे हैं और अपनी श्रद्धा भी ईश्वर के प्रति श्रद्धा भी प्रकट कर रहे हैं। इस प्रकार युवा यदि पवित्राद हो गया तो वो दिन दूर नहीं जब हमारा राष्ट्र विश्व मुक्त होगा।

इसके अतिरिक्त हर मंगलवार की तरह श्री गणेशुर शिव मणि टिप्ट और कैलाश में 60 साधकों के शम की बैठक में 5-5 बार हनुमान चालीसा का पाठ किया। कुल संख्या 300 हर्ष निसे उपरोक्त संख्या में जोड़ा जाए तो ये आंकड़ा 2 लाख 77 हजार 900 हो गया। कुल लोगों की अब तक की मुहिम में शामिली 17410 हो गई।

इस अवसर पर डॉ. अशोक शर्मा, गणेश गोसवाई, दशरथ कान्हा, ज्योत्सना कान्हा, दशरथ कान्हा, संतोष पांड्या, पूनम गोसवाई, पुष्पा गायक, ओम प्रकाश शर्मा, हादका गायक, सीमा शर्मा, शशी पांड्या, दशरथ टंडन व गणेशजी की सुनी ने: पंडित श्रीमदा, दशरथ, प्रदीप, धूप सिंह, जयका, श्रीम सिद्ध, मुकेश, श्रीमदा पुष्पा, श्री 2 गरी, श्रीमदा साता कालेगी के साथ निरासी उपस्थित रहे।

